सेवा * संस्कार * संगठन

अर्हम्
शुभं भुयात् मंगलम् भुयात् कल्याणं भुयात्

पाथेय

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

पंजीकृत कार्यालय : 'युवालोक', पो.बॉ.नं.16, लाड़नूं–341306, जिला नागौर (राज.) फोन : 01581–222114

प्रशासकीय कार्यालय : 'अणुव्रत भवन', 210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, तीसरी मंजिल, नईदिल्ली–110002, फोन : 011–23210593, E-mail : abtyp1964@gmail.com

वर्ष – 3 अंक – 8 25.07.2010

PRESIDENT : GOUTHAMCHAND N.DAGA,
G.C.Daga & Co, Sri Balaji Complex, 14, Veerappan St., 2nd Flr.,
Sowcarpet, CHENNAI-79, Ph.(O) 044-25367422, (R) 25290715,
Cell : 09444407423 E-mail : cagcdaga@gmail.com

GENERAL SECRETARY : RAMESH JAIN-SUTARIA
Ramesh C.Jain & Co.Office.No. 20, 2nd Flr.,563 New Mill Rd.,
Kurla(W.), MUMBAI-400070 (MH) Tel.: 022-26521648, 26522058,
Cell : 09324221648, E-mail : rcjain.ca@gmail.com

सम्माननीय युवा साथियों,

सादर जय जिनेन्द्र !

आषाढ़ी पूर्णिमा का दिन भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण दिन है - गुरु पूर्णिमा का दिन । तेरापंथ स्थापना दिवस । इस वर्ष तेरापंथ धर्म संघ स्थापना का सार्द्ध द्विशताब्दी वर्ष है - 250 वर्षों की साधना आज परिलक्षित है । आज ही के दिन (आ. शु. 15) महामना आचार्य भिक्षु द्वारा सहज ही तेरापंथ की स्थापना हुई। आइये हम सभी श्रद्धा व विवेक के साथ प्रणाम करें इस महान संघ को जो आज भी अपनी मर्यादाओं के कारण यथावत है - अक्षुण्ण है । हम सभी इसकी छत्रछाया में अपनी अपनी साधना करते हुए संघ के योगक्षेम में अपनी आहुति दे, यही काम्य है । सार्द्ध दिशताब्दी के इस पावन अवसर पर अधिशास्ता आचार्य भिक्षु को भाव भरा वन्दन, प्रणाम।

यह अवसर एक और भी अभ्यर्थना का है - इसी आषाढ़ी पूर्णिमा को आजसे 50 वर्ष पूर्व केलवा की पुण्य धरा पर तेरापंथ धर्म संघ के नवम अधिशास्ता गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी ने आज की साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभा जी को साध्वी दीक्षा प्रदान की थी । साधना के प्रलम्ब 50 वर्ष आपके कर्तृत्व व व्यक्तित्व में मुखर है । तेरापंथ का बच्चा बच्चा आपसे प्रभावित है । आपके बारे में कहने - लिखने से ज्यादा आवश्यक है कि पद, प्रतिष्ठा, सम्मान, अहं से परे जीने की कला, समता से जीने की कला आपसे हम सभी सीखें । दीक्षा दिवस की अर्धशताब्दी के शुभ व पावन अवसर पर सम्पूर्ण युवाशक्ति की ओर से आपके प्रति अनन्त मंगलकामनायें ।

सभी शाखा परिषदों के नवमनोनित / नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उनकी पूरी टीमों को बहुत बहुत बधाई । आप सभी के नेतृत्व में परिषद की गरिमा बढे, संघ की गरिमा बढ़े - यही अभिप्सा है ।

सभी के प्रति मंगल कामनाओं सहित सादर ।

आपका
गौतमचंद एन. डागा – अध्यक्ष

शाखा परिषदों के लिए कुछ आगामी करणीय कार्य

कार्यक्रम का नाम	दिनांक	संयोजक
कार्यकारिणी बैठक (पूज्यप्रवर के सान्निध्य में–सरदारशहर में)	30 जुलाई	श्री प्रफुल्ल बेताला
कार्यकर्ता–प्रशिक्षण कार्यशाला(पूज्यप्रवर के सान्निध्य में सरदारशहर में)	31 जुलाई–1 अगस्त,	श्री प्रफुल्ल बेताला
प्रतिभा सम्मान (कक्षा 10 वीं, 12 वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर)	अगस्त माह में	
जैन विद्या कार्यशाला	2 से 22 अगस्त तक	श्री अशोक डागा
जीवन विज्ञान प्रशिक्षक प्रशिक्षण (पूज्यप्रवर के सान्निध्य में–सरदारशहर में)	9 अगस्त से 13 अगस्त	श्री मुकेश गुलगुलिया
बारह व्रत कार्यशाला	8 अगस्त, रविवार	श्री हनुमान जैन
जैन विश्वभारती वि.वि. कार्यशाला	15 अगस्त, रविवार	श्री रमेश पटावरी
अभिनव सामायिक	22 अगस्त, रविवार	श्री राजेन्द्र मुणोत
प्रकाशन ग्राहक अभियान	5–12 सितम्बर, रविवार से रविवार	श्री महावीर कोठारी
राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान	2 अक्टूबर	श्री निर्मल गोखरू
किशोर मंडल अधिवेशन	20,21,22 अक्टूबर	श्री अनिल सांखला
वार्षिक अधिवेशन	23,24,25 अक्टूबर, शनिवार से सोमवार	श्री निलेश बैद

परिषदों द्वारा अन्य करणीय कार्यों के बारे में आपको समय–समय पर सूचित किया जायेगा।

।। चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं ।।

दिशा निर्देश

1. शाखा परिषद् पाथेय का वाचन अपनी कार्यसमिति बैठक में अवश्य करें। इसमें दिए गए दिशा निर्देश (प्रत्येक माह) का पालन करने वालों को मूल्यांकन में विशेष अंक दिये जायेंगे।
2. स्थानीय शाखा परिषदें अपने क्षेत्र में कार्य करें। कोई भी शाखा परिषद् यदि कोई स्थाई प्रकल्प/कार्यक्रम करती है तो अ.भा.तेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति प्राप्त करें।
3. तेयुप प्रकाशन योजना के सदस्य ज्यादा से ज्यादा बनायें। इसका शुल्क 5100/– है। अधिक जानकारी हेतु प्रकाशन प्रभारी श्री नरेन्द्र नाहटा से मो 9246475046 पर सम्पर्क करें। सभी कार्यसमिति सदस्यों से आह्वान है कि प्रत्येक सदस्य तेयुप प्रकाशन सहयोगी के रूप में कम से कम 10 सदस्य अवश्य बनाएं।
4. शाखा परिषद् अपने बकाया शुल्क या अपने क्षेत्र के बकाया शुल्क एकत्रित कर अ.भा.तेयुप के खाते (OBC Ladnun-A/c.No. 10272010002800 or SBI Ladnun A/c.No.30313076278) में तुरन्त जमा करावें। वर्ष 2010-2011 की शाखा रजिस्ट्रेशन शुल्क अभातेयुप के खाते में तुरन्त जमा करायें। रसीद की प्रतिलिपि केन्द्रीय कार्यालय लाडनूं में भिजवाये। इसे अति आवश्यक समझे। सम्पर्क सूत्र–अ.भा.तेयुप कोषाध्यक्ष श्री सलील लोढ़ा–9820149302
5. केन्द्र द्वारा प्रेषित निर्देशों का समुचित रुप से पालन करें ताकि मूल्यांकन में आपके द्वारा कृत कार्यों का समावेश हो सके।
6. प्रभारी अपने प्रभार की परिषदों से निरंतर सम्पर्क में रहकर उनके कार्यों में सहयोग एवं मार्गदर्शन करें। साथ ही शाखा परिषदें भी अपने प्रभारियों से सम्पर्क में रहें। पूर्व प्रेषित पाथेय में सभी परिषदों के प्रभारियों को जानकारी दी हुई है।
7. आपके क्षेत्र में किशोर मण्डल के गठन की संभावना पर पुरजोर प्रयास किया जाये। किशोर मण्डल को और अधिक सक्रिय बनाने का प्रयास करें। सभी शाखा परिषदें किशोर मण्डल के प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक एवं सदस्यों का नाम, पता, शैक्षणिक योग्यता, जन्मतिथि, हॉबी आदि जानकारी किशोर मण्डल के राष्ट्रीय प्रभारी श्री अनिल सांखला को anilsankhala@gmail.com पर ई–मेल करें। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क सूत्र–श्री अनिल सांखला, मो.–9823095738।
8. शाखा परिषदों ने अब तक सदस्यों की सूची नहीं भेजी हैं वो सभी शाखा परिषदें अपने सदस्यों की सूची पूर्व प्रेषित परिपत्र में भर कर संगठन मंत्री को प्रेषित करें – श्री अविनाश नाहर, वैभव कुंज, 51, केशव विहार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर – 302018 (राज.), मो.–9829060328
9. शाखा परिषद् अपने कार्यक्रमों की जानकारी द्विमासिक रिपोर्ट के प्रारूप में ही भरकर भिजवायें न कि प्रत्येक कार्यक्रम की सूचना रिपोर्ट अलग से भिजवायें। रिपोर्ट अध्यक्ष, महामंत्री, पर्यवेक्षक, प्रभारी एवम् संगठन मंत्री के पास ही भेजें।
10. आपके परिवार में जब भी खुशी का मौका आए (जैसेः–जन्म, सगाई, विवाह, वर्षगांठ, सम्मान (किसी भी क्षेत्र में), शैक्षणिक सम्मान आदि) हमारा अनुरोध है कि ऐसे खुशी के सुअवसर पर अ.भा. तेयुप को अनुदान देवें। कम से कम 2100/- रुपये देने वाले का नाम तेरापंथ टाइम्स में प्रकाशित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए अध्यक्षीय/महामंत्री कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।
11. अ.भा. तेयुप का भवन लाड़नूं में जैन विश्वभारती के पास बन रहा है। सभी युवा साथियों एवं सम्पूर्ण तेरापंथ समाज से हम यह अपील करते है कि आप 31000/- रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान करें।
12. शाखा परिषदें अपने अपने क्षेत्रों में निम्न विषयों पर क्षेत्रीय कार्यशालाएं आयोजित कर सकती है। 1. व्यक्तित्व विकास कार्यशाला। 2. जैन संस्कार कार्यशाला। 3. किशोर मंडल सम्मेलन। 4. संगठनात्मक कार्यशाला।जो शाखाएं अपने क्षेत्र में आयोजित करना चाहें वे अपने शाखा प्रभारी के माध्यम से महामंत्री कार्यालय से सम्पर्क करें।
13. प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित करना है। उत्तीर्ण विद्यार्थियों की अंकतालिकाएं मंगा कर फिर प्रथम तीन छात्रों की वरीयता सूची बनाई जाये। परिषदे अपने क्षेत्र के कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नात्तकोत्तर में उत्तीर्ण प्रथम तीन को सम्मानित करें।
14. शाखा परिषद् निर्देशिका वर्ष 2010-2011 का प्रकाशन किया जा रहा है। वर्ष 2010-2011 की नयी टीम के अध्यक्ष व मंत्री को फोटो सहित विवरण दिनांक 15-8-10 तक अवश्य पहुँच जाये। सभी परिषदों से अनुरोध है कि आप अपनी परिषद् का पट्टी विज्ञापन अवश्य देवें। पट्टी विज्ञापन की दर 1100/- रखी गयी है। अपना फॉर्म व विज्ञापन शुल्क, विवरण सहमंत्री श्री निलेश बैद, विजेक्स कम्पनी, 669, माउन्ट रोड, कमला आर्केड, चेन्नई-600006. Tel.: 28297302/9840053956 पते पर भिजवायें।
15. वर्ष 2009-10 (1 जुलाई 2009 से 30 जून 2010) तक का शाखा प्रतिवेदन फॉर्म भेजा गया है। जिन शाखा परिषदों ने अभी तक अपने प्रतिवेदन अभी तक नही भेजा है वो शीघ्र अपना प्रतिवेदन भेजें। सभी शाखायें अपना प्रतिवेदन शाखा प्रभारी के माध्यम से भेजें। सीधे महामंत्री कार्यालय न भेजें। जिन शाखाओं का प्रतिवेदन निश्चित समय पर शाखा प्रभारी एवम् मंहामंत्री कार्यालय पहुँचेगा उन परिषदों को ही मुल्यांकन के लिए सम्मिलित किया जायेगा। जिन शाखा प्रभारी की परिषदों के प्रतिवेदन समय पर पहुँचेंगे एवम् उनके अंतर्गत आने वाली सभी परिषदों के प्रतिवेदन समय पर आने पर उन सभी शाखा प्रभारियों को पुरस्कृत किया जायेगा। शाखा प्रभारी उनका रजिस्ट्रेशन शुल्क व बकाया शुल्क भी तुरन्त एकत्रित करके जमा करवायें। शाखा प्रभारी उनके अंतर्गत आने वाली शाखा का प्रतिवेदन प्राप्त होने की तारीख अवश्य लिखें एवम् पूर्ण अवलोकन कर महामंत्री को भिजवायें।

उपासक प्रशिक्षण

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौतमचंद जी डागा ने शपथ के साथ ही अपने संकल्पों को दोहराते हुये कहा कि उपासकों की निर्माण के क्षेत्र में भी परिषद के युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका हों। इसी लक्ष्य की ओर प्रयासरत होते हुये इसके साथ उपासक सूचनाएं आपको प्रेषित की जा रही है। अधिक जानकारी के लिए आप श्री अनिल चण्डालिया से 9825146863 पर सम्पर्क करें।

जीवन विज्ञान प्रशिक्षण

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद व जीवन विज्ञान अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में सरदार शहर में दि. 9-8-10 से 13-8-2010 तक प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। सभी शाखाओं से अनुरोध है कि इसमें आपकी परिषद् के कार्यकर्ताओं का भी प्रशिक्षण प्राप्त हो इस हेतु आप इस कार्यशाला में संभागी बने। अधिक जानकारी हेतु श्री मुकेश गुलगुलिया से 9825451442 पर सम्पर्क करें।

जैन विद्या कार्यशाला

अ.भा. तेयुप एवम् समण संस्कृति संकाय (जैन विश्वभारती) के तत्वावधान में आयोजित

1. अ.भा. तेयुप के तत्वावधान में जैन विद्या कार्यशाला दिनांक 1 अगस्त 2010 को पूज्यवरों के सान्निध्य में प्रारम्भ होगी।
2. यह कार्यशाला दिनांक 2 अगस्त 2010 से दिनांक 22 अगस्त, 2010 तक देशभर में विराजित चारित्रात्माओं, समण–समणियों के सान्निध्य में शाखा परिषदों द्वारा आयोजित होगी। जहाँ पर चारित्रात्माओं का सान्निध्य न हो तो शाखा परिषदों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षक के निर्देशन में सम्पादित की जा सकती है ।
3. कार्यशाला के कार्य दिवस 20 दिन रहेंगे । सोमवार से शनिवार तक सप्ताह में 6 दिन कक्षायें लगेगी । रविवार को कार्यशाला में दी गई सामग्री के पठन व चिंतन हेतु स्थानीय स्तर पर तय किया जाएगा । कार्यशाला में समाज के प्रत्येक भाई–बहन भाग ले सकते हैं । परीक्षा दिनांक 22 अगस्त 2010 को आयोजित होगी । परीक्षा का समय दोपहर दो बजे से पांच बजे तक होगा ।
4. इस कार्यशाला हेतु पाठ्यक्रम समण संस्कृति संकाय (जैन विश्व भारती, लाडनूं) द्वारा उपलब्ध कराया गया है। इसके प्रश्न–पत्र केन्द्रीय स्तर से बनकर आयेंगे ।
5. सभी प्रश्न पत्रों को जांचने का कार्य केन्द्रीय स्तर पर होगा । इसके परिणाम केन्द्रीय स्तर पर ही घोषित किये जायेंगे ।
6. राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त मेरीट के आधार पर संभागियों में प्रथम दस को सम्मानित किया जायेगा । सभी उत्तीर्ण सम्भागियों को प्रमाण–पत्र दिए जाएंगे ।
7. अधिक जानकारी हेतु समण संस्कृति संकाय निदेशक, पर्यवेक्षक, संयोजक से सम्पर्क करें ।

निलेश बैद - 9840053953
(पर्यवेक्षक) , सहमंत्री-प्रथम (अभातेयुप)

जिनेन्द्र कोठारी - 9426856293
(निदेशक), समण संस्कृति संकाय (जैन विश्व भारती)

अशोक डागा - 9841069123
(जैन विद्या प्रभारी), (अभातेयुप)

कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक : 31 जुलाई - 1 अगस्त 2010, सरदारशहर (राज.)

अ.भा. तेयुप की शाखा परिषदों के लिए आगामी 31 जुलाई - 1 अगस्त 2010, सरदाहशहर में आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन रखा गया है। सभी शाखा परिषदों से अनुरोध है कि परिषद के चार पदाधिकारी यथासम्भव अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री अवश्य भाग लेवें ।

कार्यक्रम स्थल : आचार्य महाप्रज्ञ आध्यात्मिक एवं एज्युकेशन फाउन्डेशन
आवास : बडा बास पंचायती नोहरा
शुल्क : 300 रुपये प्रति संभागी
सम्पर्क सूत्र : श्री प्रफुल्ल बेताला - सहमन्त्री (II) अभातेयुप : 9337267213

- शाखा परिषदों से निवेदन है कि ''कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला'' में जो भी संभागी भाग लेवें वो गणवेश का विशेष ध्यान रखें ।
- संभागी सामायिक उपकरण अवश्य साथ में लावें ।
- संभागी अपने साथ ताला - चाबी अवश्य लावें
- आचार्य श्री महाप्रज्ञ समाधि स्थल, सरदारशहर में 31 जुलाई - 2010 रात्रि 8.30 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक भजन संध्या का आयोजन रखा गया है । कार्यशाला में पधारे संभागी अगर अपनी प्रस्तुति देना चाहते हैं तो उनसे निवेदन है कि वे अपनी - अपनी तैयारी के साथ पधारें, जिसमें आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी व उनके प्रति सम्मुचारित गीत/गीतिकाओं को प्राथमिकता दी जायेगी।

बारह व्रत कार्यशाला

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 8 अगस्त, 2010, रविवार को बारह व्रत कार्यशाला का आयोजन किया गया है । यह कार्यशाला देशभर में इसी दिन सभी शाखा परिषदें विराजीत चारित्र आत्माओं, समण-समणीयों के सान्निध्य में आयोजित करें । जहाँ चरित्र आत्माओं का सान्निध्य नहीं है वहाँ भी शाखा परिषदे इस कार्यशाला को संपादित करने में जागरुकता रखें । अधिक जानकारी के लिये संयोजक श्री हनुमान जैन 09448190343 से संपर्क करें ।

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय कार्यशाला

उच्च शिक्षा का एक अद्वितीय केन्द्र जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय लाडनूं । जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा के साथ साथ अनेकान्त, अहिंसा, सहिष्णुता और शांतिपुर्ण सह अस्तित्व के उच्च आदर्शों को मानवजाति में स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास हो रहा है ।

जैन विश्व भारती शिक्षण संस्था की स्थापना तेरापंथ धर्मसंघ के नवम् अनुशास्ता गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी के (नैतिक एवं आध्यात्मिक) मार्गदर्शन से वर्ष 1991 में हुई । परम पूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का मार्गदर्शन लंबे समय तक मिलता रहा एवं वर्तमान में तेरापंथ के 11वे अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में कुलाधिपति श्री लालचंद जी सिंधी एवं कुलपति डॉ. समणी मंगलप्रज्ञाजी के सक्षम नेतृत्व में विश्वविद्यालय विकास के नये नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है ।

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय द्वारा लाडनूं में REGULAR COURSE एवं पूरे भारतवर्ष एवं विदेशों में DISTANCE EDUCATION के 55 सेन्टर भारत में एवं 2 सेन्टर लंदन एव न्यू जर्सी में सुचारु रुप से चल रहे हैं।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के लाडनूं में आयोजित अधिवेशन में परम् पुज्य आचार्य जी महाप्रज्ञजी ने अभातेयुप को जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के कार्य को आगे बढाने हेतु एक जिम्मेदारी सोंपी । पूज्यप्रवर द्वारा दी गयी जिम्मेदारी को पुरी सजगता से निभाने हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौतमचन्द डागा ने इस वर्ष 15 August को पुरे भारतवर्ष में अपनी 320 शाखाओं के माध्यम से जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय से संबंधित कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की विस्तृत जानकारी जन-जन तक पहुँचाना साथ ही सभी वर्ग के लोगों के साथ साथ विशेषकर युवावर्ग को इस पाठ्यक्रम से जोड़ना है । सभी शाखा परिषदों को यह दिशा निर्देश प्रदान किया जाता है कि जहाँ साधु-साध्वी, समण-समणी का चातुर्मास है वहाँ प्रवचन के दौरान विश्वविद्यालय की विस्तृत जानकारी एवं पाठ्यक्रम की पुरी जानकारी सभी समाज के लोगों को प्रदान की जाएं । जहाँ विश्वविद्यालय के सेन्टर चल रहे है वहाँ के व्यवस्थापकों को कार्यशाला में आमंत्रित कर कार्यशाला को प्रभावी बनाएं । जहाँ सेन्टर नहीं चल रहे है वहाँ भी परिषदें इस कार्यशाला का आयोजन अवश्य रुप से करें । समाज के सभी पदाधिकारी, प्रबुद्ध लोगों को बुलाकर पुरी जानकारी प्रदान करायें एवं अपने क्षेत्र में नये सेन्टर शुरु करने का प्रयास करें । **सम्पर्क सूत्र :**

श्री गौतमचन्द डागा - 094444 - 07423
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री रमेश पटावरी - 094426 - 00853
विश्वविद्यालय प्रभारी

श्री रमेश सुतरिया - 093242 - 21648
महामंत्री

अभिनव सामायिक

गत वर्ष अभिनव सामायिक कार्यशाला का अनूठा प्रयोग किया गया। जिसमें आशातीत सफलता रही और अच्छा प्रतिसाद मिला । इस वर्ष भी २२ अगस्त, रविवार को देशभर में अभिनव सामायिक कार्यशाला का आयोजन सभी शाखा परिषदों को करना है । जहाँ चरित्र आत्माओं का सान्निध्य नहीं है वह शाखा परिषद् इस कार्यशाला को आयोजित करने के लिए संयोजक श्री राजेन्द्र मुणोत 0986946564 से संपर्क करें । इसका प्रारुप भी बहुत शीघ्र प्रेषित किया जायेगा ।

जुलाई 2010 - तत्त्वज्ञान/प्रश्नोतरी प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा तत्त्वज्ञान प्रतियोगिता की श्रृंखला का सातवां प्रश्न पत्र यहां दिया गया है ।

1. वे कौनसे श्रावक थे जिन्हें ऋषिराय से लेकर कालूगणी तक छः आचार्यों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ?
2. बीस विहरमान का वियोग कब होता है ?
3. सबसे ज्यादा पापी लोग एवं सबसे ज्यादा धार्मिक लोग किस क्षेत्र में रहते है ?
4. श्रावक में कितने कषाय पाये जा सकते है ? उनके नाम लिखो ।
5. कल्पवृक्ष कौनसी काय के जीव है ?
6. अनादिकाल से कौनसे शरीर आत्मा के साथ है ?
7. शुभ योग से कौनसे दो कार्य निष्पन्न होते है ?
8. किसी साधु - साध्वी में दोष जान पड़े तो क्या करना चाहिए ?
9. अरहन्त, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय व साधु के कितने कर्म होते है ?
10. चौबीसी की रचना किसने व कहाँ की ?
11. आचार्य भिक्षु के हाथ से दीक्षित कितने संत आचार्य बने ?
12. रेचक, पूरक एवं कुम्भक से क्या तात्पर्य है ?
13. आचार्य पद पर आसीन होने के पश्चात अपनी माँ को दीक्षित किसने किया ?
14. भगवान को देखकर भगवान कौन बने ?
15. आशातना किसे कहते है ?
16. किस भगवान ने जलते हुए नाग के जोडे का उद्धार किया ?
17. कौनसे आचार्य का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ ?
18. आचार्य भिक्षु की बुआ का नाम क्या था ?
19. ऐसे कौनसे जीव है जो बढ़ते ही बढ़ते है ?
20. पांच पदों में साध्य कितने व साधक कितने ?

प्रतियोगिता में कोई भी भाई–बहिन भाग ले सकते हैं। निर्णायक का निर्णय अंतिम व मान्य होगा। प्रतियोगी अपने उत्तर पूर्ण विवरण (नाम, पता, फोन नम्बर यथासंभव मोबाईल नं.) के साथ दिनांक 15 अगस्त 2010 तक निम्न पते पर भेजें। फुल साईज पेपर पर शुद्ध एवं स्वच्छ लिखें।

SMT. NIRMALA SUTARIA, Flat No.-2, Pankaj CHS Ltd., Vakola Bridge, Santacruz(E.), MUMBAI-400055, Ph.022-26686365

मई 2010, तत्त्वज्ञान/प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के उत्तर

1. अजितनाथ भगवान के समय ।
2. उच्च गौत्र कर्म का बंध एवं नीच गौत्र कर्म का क्षय ।
3. जयाचार्य ने वि. सं. 1910 में किया ।
4. साध्वी श्री गुलाबांजी
5. वि. सं. 2032 जयपुर में । (सन् 1975)
6. डालगणी को ।
7. जयाचार्य जी ने ।
8. जिस मकान में साधु - साध्वी विराजते हो, उसके मालिक को ।
9. किसी ने नहीं - कार्तिक कृष्णा अमावस्या पावापुरी में ।
10. तेरह ।
11. देवता और नारक जीवों को ।
12. मोहनीय कर्म ।
13. जम्बुद्वीप थाली के आकार जैसा ।
14. अविवाहित -9 विवाहित - 1
15. शशांकासन
16. युवाचार्य के रुप में मनोनयन ।
17. चौथे तीर्थंकर अभिनन्दन प्रभु के ।
18. रथनेमि ।
19. आचार री चौपाई
20. साध्वी कनकरेखा जी - साध्वी स्वर्णरेखा जी
    साध्वी साधना श्रीजी - साध्वी सन्मति श्रीजी
    साध्वी यशोधरा जी - साध्वी अमृतयशा जी
    साध्वी रतन श्री जी - साध्वी सुमन प्रभा जी .....।

मई 2010 का परिणाम

सर्वप्रथम सभी संभागियों को बहुत–बहुत साधुवाद जिन्होंने पूरी लगन के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी जागरूकता का परिचय दिया।

तत्त्वज्ञान / प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता– अप्रैल 2010 का परिणाम

प्रथम - संतोष परमार - दहिसर **द्वितीय - मनाली जैन - इरोड** **तृतीय - झुमादेवी डागा - विजियानगरम्**

।। चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं ।।